भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद के संस्थानों द्वारा श्रीमल्लीनाथ पशु मेला एवं कृषि प्रदर्शनी बाड़मेर में आयोजित

तिलवाड़ा, बाड़मेर में दो दिवसीय श्रीमल्लीनाथ पशु मेला एवं कृषि प्रदर्शनी का आयोजन 21-22 मार्च 2023 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के विभिन्न संस्थान काजरी जोधपुर, अटारी जोधपुर, केंद्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थानअविकानगर, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर, आईआईएम्आर, हेदराबाद, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, बैंक, स्वयं सहायता समूहों,किसान उत्पादक संगठनों द्वारा प्रदर्शनी लगा कर किसानों को विभिन्न योजनाओं तकनीकियों के बारे में जानकारी दी। मेले में पशुपालकों ने बड़ी संख्या में विभिन्न नस्लों के घोड़े,ऊंट, बेल, गाय प्रदर्शित किये ।मेले में पंजाब, हरियाणा, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान केकिसानोंने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री परषोतम रूपाला ने कहा कि भारत सरकार ने पशुधन को सुरक्षित एवं उनका संवर्धन करने, आगे बढाने, नई पीढी को रोजगार हेतु नया पशु पालन,डेयरी एवं मत्स्य पालन का नया मंत्रालय बनाया ।पशुओं को बिमारी एवं पीड़ा से बचाने के लिए मोबाईल वेटरनरी एम्बूलेंस सेवा शुरू की। केन्द्र सरकार ने मोटे अनाज के उपयोग उत्पादन और निर्यात की पहल की है। उन्होंने मेले में राष्ट्रीयऊंट अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के ऊंटके दूध एवं रागी,ज्वार,बाजराके उत्पादों के पोषक पाउडर को जारी किया।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों को खेती से अधिक आय हो, इसके लिए किसान सम्मान निधि, एफपीओ, मूल्य संवर्धन और फसल बीमा योजना आदि आरम्भ की। लम्पी बीमारी से पशुओंको बचाने के लिए भारत सरकार ने पूरा ध्यान दिया एवं आवश्यक उपाय किये। मेरी पॉलीसी मेरे हाथ कार्यक्रम के तहत भारत सरकार, कृषि एव किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वाराकिसानों को बीमा पॉलिसी प्रदान की गई।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक डा. बी.एन. त्रिपाठी ने परिषद द्वारा किये जा रहे अनुसंधान के बारे में विस्तार से चर्चा की। मेला आयोजक ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं मेले की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी इस अवसर घुड़ दौड़, ऊंट दौड़, दुग्ध प्रतियोगिता आयोजित हुई एवं विजेताओ को पुरुस्कृत किया गया।